सी. आर. डी. ई.– कृषि विज्ञान केन्द्र, सेवनियॉ, जिला– सीहोर (म. प्र.)

साप्ताहिकी कृषि सलाह (06 जुलाई से 12 जुलाई, 2020)

किसान भाई क्या करे, कब करे, कैसे करे।

–:सोयाबीनः–

❖ सोयाबीन फसल में खरपतवार प्रबंधन हेतु फसल अवधि खरपतवार के प्रकार के अनुसार अनुशंसित खरपतवारनाशियों का उपयोग करे।

❖ किसान भाई खरपतवार प्रबंधन हेतु डोरा/ कुलपा का भी उपयोग कर सकते है।

❖ सोयाबीन फसल हेतु अनुशंसित खरपतवारनाशी निम्न है–

क्रमांक	रासायनिक नाम	व्यापारिक नाम	मात्रा/एकड़	छिड़काव का समय	नियन्त्रित होने वाले खरपतवार
1.	इमिजाथाईपर 10% एस. एल.	परासुट, इचिगो, लगाम, गार्ड	400 मिली	10–12 दिन की अवस्था पर	सकरी व चौड़ी पत्ती
2.	प्रोपाक्विजाफाप 10.1 ई. सी.	एजिल, सोपायटी	300 मिली	15– 20 दिन की अवस्था पर	सकरी पत्ती
3.	क्युजेलोफाप इथाईल 10.1 ई. सी.	सकुरा	150–180 मिली	15– 20 दिन की अवस्था पर	सकरी पत्ती
4.	हेलाक्सिफाप आर मिथाईल 10.5 ई. सी.	गैलेंट	400–500 मिली	15–20 दिन	सकरी पत्ती
5.	क्लोरीम्युरान ईथाइल 25 डब्ल्यू. पी.	क्लोबेन, क्यूरीन	15 ग्राम	20–25 दिन	चौड़ी पत्ती
6.	सोडियम एसीफ्लोरफेन 16.5% + क्लोडीनाफाप 8% ई.सी.	आयरीस	400 मिली	20–25 दिन	सकरी व चौड़ी पत्ती
7.	फ्लुजिफाप ब्युटाईल 11.1% + फोमेक्साफेन 11.1%	फ्युजीफ्लेक्स	400 मिली	15–20 दिन	सकरी व चौडी पत्ती

❖ खरपतवारनाशी के उपयोग का पूर्ण लाभ लेने के लिये अनुशंसित पानी की मात्रा (150–200 ली./ एकड़) का ही उपयोग करना चाहियें।

❖ जिन किसान भाईयों ने सोयाबीन की बुवाई सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक के आधार पर की है वह फसल की 10–15 दिन की अवस्था पर 20 किग्रा./ एकड़ यूरिया का उपयोग करें।

❖ जिन किसान भार्हयों की सोयाबीन फसल की बढ़वार बुवाई पश्चात् पर्याप्त वर्षा न होने से प्रभावित रही है वह फसल की 15–18 दिन की अवस्था में 15 किग्रा./ एकड़ यूरिया का उपयोग करें।

❖ सोयाबीन फसल की बढ़वार की अवस्था में जब विलेय उर्वरक एन. पी. के. 18:18:18 का 1 किग्रा/ एकड़ की दर से पर्णीय छिड़काव करें।

❖ सोयाबीन फसल में चने की सुण्ड़ी ईल्ली, हरीत अर्ध कुण्डलक ईल्ली, तम्बाकू की ईल्ली, तना मक्खी एवं गर्ड़ल इत्यादि कीटों का प्रकोप होने की संभावना है। अतः उपरोक्त कीओं की किसान भाई खेतों की निगरानी करें एवं प्राकेप होने पर इण्डोक्साकार्ब 14.5% एस. सी. , 140 मिली/ एकड़, ईमामेक्टीन बेन्जोएट 5% एस. जी. 100 ग्राम/ एकड़, बीटासाईफ्लूथ्रीन 8.49 + ईमिडाक्लोप्रिड़ 19.81% एस. सी. 140 मिली/ एकड़, थायोमिथॉक्साम 12.6% + लेम्बडाससाईलोथ्रीन 80 मिली/ एकड़ उपरोक्त दवाओं में से कोई एक दवा को 150–200 लीटर पानीमें घोल बनाकर छिड़काव करें।

—:मक्का :—

- फसल की पहली निदाई – गुडाई का कार्य समाप्त करें। खरपतवार प्रबन्धन हेतु बुवाई के 15–20 दिन की अवस्था पर टेम्बोट्रीयान 34% एस. सी. खरपतवारनाशी की 115 मिली/ एकड़ मात्रा को 150–200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे।
- खड़ी फसल में 20–25 दिन की अवस्था पर सिफारिश की गयी नत्रजन की एक तिहाई (30–40 कि. ग्रा. /एकड़) यूरिया का उपयोग करे।
- मक्का फसल में चने की सुण्डी ईल्ली , फॉल अर्मी वर्म, तना छेदक तथा तना मक्खी इत्यादि कीटों का प्रकोप होने की संभावना है। उपरोक्त कीटों के निदान हेतु इमामेक्टीन बेन्जोएट 5% एस. जी. 100 ग्राम/ एकड़ + इमिडाक्लोप्रिड़ 50 मिली/ एकड़ के मान से 150–200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

—:धान:—

- धान की रोपाई हेतु 15 जुलाई तक का समय उपयुक्त है रोपाई पंक्तियों में करे तथा रोपाई में पंक्ति से पंक्ति की दूरी 15– 20 सेमी. रखें।
- उर्वरकों की संतुलित मात्रा एन. पी. के. जिंक. (48:24:16:02 कि.ग्रा./एकड़) का उपयोग मृदा स्वास्थ्य कार्ड में की गयी अनुशंसा अनुरूप करें।
- धान फसलों की रोपाई से पूर्व पौधे की जड़ो के उपचार हेतु थायोफिनेट मिथाईल 2 मिली/ लीटर पानी एवं इमिडाक्लोप्रिड़ 48% एफ. एस. 1.2 मिली/ लीटर पानी में घोल बनाकर 1–2 मिनट तक जड़ों को डुबोकर रखें इसके पश्चात् रोपाई करें जिससे प्रारम्भिक अवस्था में लगने वाले रस चूसक कीट एवं रोग से निजात पायी जा सकती है।
-

—:अरहर :—

- अरहर फसल में तना विगलन एवं तना झुलसन जैसे रोग के प्रकोप होने की संभावना रहती है। इसके निदान हेतु थायोफिनेट मिथाईल 400 ग्राम/ एकड़ छिड़काव करें।

—:सब्जियों में:—

टमाटर, बैंगन, मिर्च, फूलगोभी व भिण्डी

- रोपणी तैयार करने का उपयुक्त समय है अतः उच्च गुणवत्ता के बीजों का उपयोग करते हुये पौधशाला में बीजाई करें।
- फूलगोभी की अगेती फसल हेतु रोपणी तैयार करे।
- पौधशाला स्थल ऐसा हो जहॉ जल भराव ना होता हो तथा बीज की बुआई भूमि से लगभग 15 सेमी. ऊॅची उठी हुई क्यारियों में करें। बीज शैया की चौड़ाई 01 मीटर रखें जिससे निदाई– गुडाई के कार्य आसानी से संपादित हो सके।
- बुआई पूर्व बीजों को फफूॅदनाशक दवा थायोफिनेट मिथाईल 70% डब्ल्यू. पी. से उपचारित अवश्य करें।
- कद्दूवर्गीय सब्जियों में फलमक्खी कीट के निदान हेतु फलमक्खी ट्रेप 10 नग/ एकड़ लगायें एवं अधिकतम प्रकोप होने पर प्राफेनोफास 40% + साईपरमेथ्रिन 4% की 2 मिली/ लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

❖ बैंगन/भिण्डी फसल में फल एवं तना भेदक कीट हेतु इण्डोक्साकार्ब 14.5% एस. सी. 1.5 मिली/ लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

–:फलों में:–

❖ फलों की रोपाई हेतु यह समय सबसे उपयुक्त है। मई– जून माह में खोदे गये गड्ढों की भराई का कार्य पूर्ण करें।

❖ नवीन वृक्षारोपण हेतु फलों की उन्नत प्रजातियॉ हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र से सम्पर्क करें।

❖ फलदार वृक्षों में सूखी व रोग ग्रसित ड़ालियों की कटाई – छटाई कर फलदार वृक्षों में उनकी उम्र अनुसार अनुशंसित उर्वरकों का उपयोग करे।

–:पशुपालन:–

❖ पशुओं में गलघोंटू, लंगडी बुखार का टीका नही लगा है तो अवश्य लगवा लें। टीकाकरण हेतु नजदीकी पशु चिकित्सा अधिकारी से सम्पर्क करे।

❖ हरे चारे के लिये मक्का, ज्वार, बाजरा व लोबिया की बुवाई करें।

❖ पशुओं को अन्तः व बाह्य परजीवियों के नियंत्रण हेतु कृमिनाशक दवा खिलायें/ पिलायें व पशुशाला की साफ– सफाई रखें।

❖ बहुवर्गीय घास (संकर नेपियर, गिनीघास) लगाने का उपयुक्त समय है।

विशेष आग्रह– कोरोना वायरस की स्थिति में कृषि कार्य बावत सावधानियॉः कृषि कार्य करते समय 04 से अधिक व्यक्तियें को इकट्ठा ना होने दें तथा उनके बीच 2 मीटर की पर्याप्त दूरी रखें। बुखार/सर्दी, खांसी की स्थिति में अपने खेतों पर काम कर रहे श्रमिक / व्यक्तियों को चिकित्सकीय परामर्श की सलाह दें। कोरोना वायरस से सुरक्षा हेतु अपने चेहरे पर मास्क/ गमछा/ रूमाल/ कपडा लगायें एवं हाथों में मौजे/ ग्लब्स लगाना अनिवार्य करें। कृषि कार्य करते समय मादक पदार्थ/ तम्बाकू का सेवन ना करें। समय– समय पर 20 सेकण्ड़ तक अपने हाथ साबुन से अच्छी तरह धोयें।

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करे–

सी. आर. डी. ई. कृषि विज्ञान केन्द्र, सेवनियॉ, जिला– सीहोर (म. प्र.)

दूरभाष– 07489–763338, श्री जे. के. कनौजिया, वैज्ञानिक (उद्यानिकी), मो. न. 9926980176, श्री संदीप टोडवाल, वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान), मो. नं. 7697277171, श्री देवेन्द्र पाटिल, वैज्ञानिक (फसल उत्पादन), मो. नं. 8827176184, श्री दीपक कुशवाहा , वैज्ञानिक (पौध संरक्षण), मो. नं.8840485018, डॉ विमलेश कुमार, , वैज्ञानिक (पशुपालन), मो. नं. 8005227757, श्री धर्मेन्द्र, , वैज्ञानिक (कृषि प्रसार), मो. नं. 8889469911